विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – चतुर्थ **दिनांक 20--10-2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज कर्म कारक के बारे में अध्ययन करेंगे

कर्म कारक

कर्म कारक की परिभाषा

वह वस्तु या व्यक्ति जिस पर वाक्य में की गयी क्रिया का प्रभाव पड़ता है वह कर्म कहलाता है।

कर्म कारक का विभक्ति चिन्ह 'को' होता है।

कर्म कारक के उदाहरण

सीता ने गीता को बुलाया।

ऊपर दिए गए वाक्य में जैसा कि आपने देखा को शब्द का प्रयोग हो रहा है। यह कर्म कारक का विभक्ति चिन्ह है।

इससे हमें यह पता चलता है कि वाक्य में कि गयी क्रिया का असर गीता पर पड़ रहा है। अतः गीता कर्म कहलाएगी। अतएव यह उदाहरण कर्म कारक के अंतर्गत आयेगा।

बड़े लोगों को सम्मान देना चाहिए।

ऊपर दिए गए वाक्य में आप देख सकते हैं कि को विभक्ति चिन्ह का प्रयोग किया गया है।

यह चिन्ह हमें बताता है की वाक्य में कि गयी क्रिया का असर किस व्यक्ति या वस्तु पर पड़ रहा है। यहाँ कर्म बड़े लोग हैं। अतएव ये उदाहरण कर्म कारक के अंतर्गत आएगा।

राम ने रावण को मारा।

जैसा कि आप ऊपर दिए गए वाक्य में देख सकते हैं की मारने की क्रिया कि जा रही है।

इस क्रिया का असर रावण पर पड़ रहा है।अतः रावण कर्म कहलायेगा। इस वाक्य में को विभक्ति चिन्ह का भी प्रयोग किया गया है। अतः ये उदाहरण कर्म कारक के अंतर्गत आएगा।

कर्म कारक के कुछ अन्य उदाहरण

- गोपाल ने राधा को बुलाया।
- रामू ने घोड़े को पानी पिलाया।
- मेरे दोस्त ने कुत्तों को भगाया।
- अध्यापक छात्रों को पीटता है।

ऊपर दिए गए सभी वाक्यों में को विभक्ति चिन्ह का प्रयोग किया गया है। अतः ये सभी उदाहरण कर्म कारक के अंतर्गत आएंगे।

लिखकर याद करें।